Original Article
ISSN (Online): 2582-7472

ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts
July-December 2023 4(2), 5997–6003

COMPARISON OF STUDY HABITS OF CLASS 10 STUDENTS OF GOVERNMENT AND PRIVATE SCHOOLS IN FARIDABAD DISTRICT

फरीदाबाद जिले के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के कक्षा 10 के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों की तुलना

Kiran Kumari [1], Dr. Poonam Gaud [2]

[1] Research Scholar, Lingayas Vidyapeeth University, Nacholi, Faridabad, Haryana, India
[2] Associate Professor, Lingayas Vidyapeeth University, Nacholi, Faridabad, Haryana, India

ABSTRACT

English: In the current study, study habits are defined as the techniques, approaches, and routines that students adopt to enhance their learning and understanding. The primary objective of this study is to conduct a comparative analysis of the study habits of Class 10 students from government and private schools in Faridabad district. The comparative survey method was used within the descriptive research methodology. The study population consisted of Class 10 students. A random sampling technique was used to select the sample, resulting in 400 students (from both government and private schools). The study habits inventory developed by Dr. Deepti Sharma and Dr. Masood Ansari was used for data collection. The data collected was analyzed using statistical techniques such as mean, standard deviation, and t-test.

The results of the study indicate that there were significant differences in the study habits of students from government and private schools. However, when the study habits were classified by gender, no significant differences were observed between the two groups. In conclusion, this research indicates that study habits are influenced by a number of complex factors, including self-perception, individual versus group study preferences, study methods used, content structure, and mental state. Thus, this research underscores the need to develop educational strategies that address learners' needs while taking into account individual differences and diverse learning environments.

Hindi: वर्तमान अनुसंधान में अध्ययन की आदतों को उन तकनीकों, दृष्टिकोणों एवं दिनचर्याओं के रूप में परिभाषित किया गया है, जिन्हें विद्यार्थी अपनी अधिगम क्षमता एवं समझ को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से अपनाते हैं। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य फरीदाबाद जिले के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के कक्षा 10 के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक विश्लेषण करना है। शोध के लिए वर्णनात्मक अनुसंधान पद्धति के अंतर्गत तुलनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। अध्ययन की जनसंख्या में कक्षा 10 के छात्र सम्मिलित थे। नमूना चयन हेतु यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग किया गया, जिसके अंतर्गत 400 छात्रों (सरकारी एवं निजी विद्यालयों दोनों से) को शामिल किया गया। डेटा संग्रहण हेतु डॉ. दीप्ति शर्मा एवं डॉ. मसूद अंसारी द्वारा विकसित अध्ययन आदत सूची का प्रयोग किया गया। संकलित आंकड़ों का विश्लेषण माध्य, मानक विचलन एवं टी-टेस्ट जैसी सांख्यिकीय तकनीकों के माध्यम से किया गया।

अध्ययन के परिणाम दर्शाते हैं कि सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छात्रों की अध्ययन आदतों में उल्लेखनीय भिन्नता पाई गई। यद्यपि, जब अध्ययन आदतों का वर्गीकरण लिंग के आधार पर किया गया, तो दोनों वर्गों के बीच कोई महत्त्वपूर्ण अंतर परिलक्षित नहीं हुआ। निष्कर्षतः, यह अनुसंधान इस तथ्य की ओर इंगित करता है कि अध्ययन आदतों पर अनेक जटिल कारकों का प्रभाव पड़ता है, जिनमें आत्मपठन क्षमता, व्यक्तिगत बनाम सामूहिक अध्ययन की प्रवृत्ति, प्रयुक्त अध्ययन विधियाँ, विषयवस्तु की संरचना एवं मानसिक स्थिति सम्मिलित हैं। इस प्रकार, यह अनुसंधान इस आवश्यकता को रेखांकित करता है कि शिक्षा के क्षेत्र में ऐसी रणनीतियाँ विकसित की जाएँ जो व्यक्तिगत भिन्नताओं एवं विविध शिक्षण परिवेशों को ध्यान में रखते हुए शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

DOI
10.29121/shodhkosh.v4.i2.2023.6489

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2023 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

How to cite this article (APA): Kumari, K., and Gaud, P. (2023). Comparison of Study Habits of Class 10 Students of Government and Private Schools in Faridabad District. *ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts, 4*(2), 5997–6003. doi: 10.29121/shodhkosh.v4.i2.2023.6489

Keywords: Study Habits, Note-Making, Self-Testing, Self-Discipline, Routine, अध्ययन आदतें, नोट्स निर्माण, आत्म-परीक्षण, आत्म-अनुशासन, दिनचर्या

1. प्रस्तावना

छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों को निर्धारित करने में अध्ययन की आदतें अहम भूमिका निभाती हैं। यह उन व्यवहारों, तकनीकों और रणनीतियों को समेटे हुए है जिन्हें विद्यार्थी अपनी सीखने की प्रक्रिया में अपनाते हैं। अध्ययन आदतें न केवल जानकारी को समझने और याद रखने में सहायक होती हैं, बल्कि समय के प्रभावी प्रबंधन और परीक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन की क्षमता भी विकसित करती हैं। कक्षा 10 के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों को समझना और उनका विश्लेषण करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इससे उन कारकों की पहचान की जा सकती है जो शैक्षणिक सफलता को प्रभावित करते हैं। इसके साथ ही यह शिक्षकों, अभिभावकों और नीति निर्माताओं को ऐसे उपाय सुझाने में मदद कर सकता है जो छात्रों के सीखने के परिणामों को बेहतर बनाएँ (अब्राहम्स एवं सिंह, 2014)।

अनुसंधानों ने यह स्पष्ट किया है कि प्रभावी अध्ययन आदतें छात्रों के प्रदर्शन पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालती हैं। कुशल अध्ययन आदतों और उच्च ग्रेड के बीच लगातार सकारात्मक संबंध पाए गए हैं (डेसालेगन एवं बेरीहुन, 2017; ट्रैजकोवस्की, 2015)। जिन छात्रों ने नियमित रूप से सुव्यवस्थित अध्ययन आदतों का अभ्यास किया, वे कठिन अवधारणाओं को आसानी से समझ पाए, जानकारी को लंबे समय तक सुरक्षित रख पाए और परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन किया।

अध्ययन की आदतें आत्म-अनुशासन और आंतरिक प्रेरणा को भी प्रोत्साहित करती हैं। एक नियमित दिनचर्या का पालन करने के लिए आत्म-अनुशासन आवश्यक है, जो शैक्षणिक सफलता की बुनियाद है (रेड्डी, 2017)। साथ ही, प्रभावी अध्ययन आदतों को अपनाकर छात्र अपने प्रयासों के सकारात्मक परिणाम देखते हैं, जिससे उनकी प्रेरणा निरंतर बढ़ती रहती है और सुधार की प्रक्रिया चलती रहती है। सक्रिय पठन, नोट्स बनाना और आत्म-परीक्षण जैसी तकनीकें न केवल ज्ञान अर्जन को सरल बनाती हैं बल्कि उसके दीर्घकालीन धारण और अनुप्रयोग को भी सुनिश्चित करती हैं (अब्राहम्स एवं सिंह, 2014)। इस प्रकार की आदतें छात्रों को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में भी अपने ज्ञान का प्रयोग करने योग्य बनाती हैं और आजीवन शिक्षा को प्रोत्साहन देती हैं।

सुदृढ़ अध्ययन आदतें शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ व्यक्तिगत विकास को भी गति देती हैं। ऐसे छात्र आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और आत्म-मंथन जैसी महत्त्वपूर्ण क्षमताएँ अर्जित करते हैं (घिमिरे एवं अधिकारी, 2020)। ये कौशल न केवल शिक्षा क्षेत्र बल्कि जीवन के अन्य पहलुओं में भी सहायक होते हैं, जिनमें भविष्य के करियर और व्यक्तिगत संबंध सम्मिलित हैं।

अतः यह स्पष्ट है कि अध्ययन की आदतें छात्रों की शैक्षणिक प्रगति एवं संपूर्ण शैक्षिक उपलब्धियों में केंद्रीय स्थान रखती हैं। जिस प्रकार छात्र अध्ययन करते हैं, समय का प्रबंधन करते हैं और अधिगम सामग्री से जुड़ते हैं, वही उनके सीखने के परिणामों और भविष्य की संभावनाओं को आकार देता है। जैसे-जैसे छात्र माध्यमिक स्तर पर पहुँचते हैं, जहाँ शैक्षणिक चुनौतियाँ बढ़ती हैं और स्वतंत्र अधिगम पर बल दिया जाता है, वैसे-वैसे उनकी अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन और भी महत्त्वपूर्ण हो जाता है। यही कारण है कि यह शोध कक्षा 10 के छात्रों की अध्ययन आदतों से जुड़े विभिन्न कारकों की गहन पड़ताल कर, शिक्षण और अधिगम प्रक्रियाओं के प्रति महत्त्वपूर्ण अंतर्दृष्टियाँ प्रदान करने का उद्देश्य रखता है।

2. संबंधित साहित्य की समीक्षा (REVIEW OF RELATED LITERATURE)

- अग्रवाल एवं शर्मा (2016) ने भारत में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों और शैक्षणिक उपलब्धियों के बीच संबंध का अध्ययन किया। निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि अध्ययन आदतों और शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच सकारात्मक एवं महत्त्वपूर्ण संबंध पाया गया।
- गुप्ता आदि (2021) ने ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की अध्ययन आदतों तथा शैक्षणिक उपलब्धियों का तुलनात्मक विश्लेषण किया। शोध में पाया गया कि दोनों समूहों की अध्ययन आदतें समान प्रकार की थीं, किंतु शहरी विद्यार्थियों को संसाधनों एवं अध्ययन सामग्री तक बेहतर पहुँच होने के कारण उनका शैक्षणिक प्रदर्शन उच्चतर था।
- जॉनसन एवं स्मिथ (2021) ने माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का परीक्षण किया और निष्कर्ष निकाला कि नियमित एवं संरचित अध्ययन दिनचर्या विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों को बढ़ाती है। शोधकर्ताओं ने नियमित अध्ययन समय-सारणी, विशिष्ट लक्ष्य निर्धारण एवं उपयुक्त अध्ययन वातावरण की महत्ता पर बल दिया।

- पटेल आदि (2021) ने अध्ययन वातावरण का छात्रों की अध्ययन आदतों एवं शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रभाव का विश्लेषण किया। अध्ययन में पाया गया कि अनुकूल अध्ययन वातावरण (जैसे उचित प्रकाश, आरामदायक बैठने की व्यवस्था और न्यूनतम व्यवधान) छात्रों की अध्ययन आदतों को मजबूत करता है और उनका प्रदर्शन बेहतर बनाता है।
- चेन आदि (2022) ने माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की अध्ययन आदतों के निर्माण में अभिभावकों की भूमिका का अध्ययन किया। परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि अध्ययन समय पर निगरानी, मार्गदर्शन और सहायक वातावरण प्रदान करने जैसे कारक प्रभावी अध्ययन आदतों के विकास में सहायक सिद्ध होते हैं।
- ली आदि (2022) ने डिजिटल अध्ययन उपकरणों के प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि शैक्षिक एप्लिकेशन तथा ऑनलाइन संसाधन जैसे साधन विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों को सुदृढ़ करते हैं, जिससे वे स्वयं की गति से अध्ययन कर पाते हैं और अधिगम अधिक रोचक बनता है।
- हाल के वर्षों में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों को लेकर चिंताएँ बढ़ी हैं। अनेक अध्ययनों ने यह सिद्ध किया है कि प्रभावी अध्ययन आदतें शैक्षणिक प्रदर्शन और समग्र शैक्षिक परिणामों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं (अदेयेमी एवं अदेयोमो, 2018; ग्रुंशेल आदि, 2016)। तथापि, इस स्तर पर अध्ययन आदतों की तुलनात्मक समीक्षा करने वाले व्यापक अनुसंधान अपेक्षाकृत कम हैं। माध्यमिक स्तर विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन का एक निर्णायक चरण है, जहाँ वे महत्वपूर्ण बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी करते हैं और आगे की शिक्षा के मार्ग का चयन करते हैं (फेरेरा आदि, 2019)।

अतः इस अवधि में अध्ययन आदतों की समझ शिक्षकों, अभिभावकों एवं नीति-निर्माताओं के लिए आवश्यक है ताकि वे विद्यार्थियों को प्रभावी मार्गदर्शन प्रदान कर सकें और उनकी सफलता सुनिश्चित कर सकें। तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से विभिन्न समूहों के छात्रों की अध्ययन आदतों का विश्लेषण कर उन आदतों की पहचान की जा सकती है जो शैक्षणिक प्रदर्शन को सुदृढ़ करती हैं और साथ ही लक्षित शैक्षिक नीतियों एवं हस्तक्षेपों के विकास में सहायक सिद्ध होती हैं।

3. उद्देश्य (OBJECTIVES)

1) कक्षा 10 के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छात्रों की अध्ययन आदतों की तुलना करना।
2) कक्षा 10 के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की अध्ययन आदतों की तुलना करना।
3) कक्षा 10 के निजी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की अध्ययन आदतों की तुलना करना।
4) कक्षा 10 के सरकारी विद्यालयों के छात्रों एवं निजी विद्यालयों के छात्रों की अध्ययन आदतों की तुलना करना।
5) कक्षा 10 की सरकारी विद्यालयों की छात्राओं एवं निजी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों की तुलना करना।

4. परिकल्पनाएँ (HYPOTHESES)

1) कक्षा 10 के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छात्रों की अध्ययन आदतों में कोई महत्त्वपूर्ण अंतर नहीं है।
2) कक्षा 10 के सरकारी विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं की अध्ययन आदतों में कोई महत्त्वपूर्ण अंतर नहीं है।
3) कक्षा 10 के निजी विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं की अध्ययन आदतों में कोई महत्त्वपूर्ण अंतर नहीं है।
4) कक्षा 10 के सरकारी विद्यालयों के छात्रों एवं निजी विद्यालयों के छात्रों की अध्ययन आदतों में कोई महत्त्वपूर्ण अंतर नहीं है।
5) कक्षा 10 की सरकारी विद्यालयों की छात्राओं एवं निजी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों में कोई महत्त्वपूर्ण अंतर नहीं है।

5. शोध पद्धति (RESEARCH METHODOLOGY)

इस अध्ययन में वर्णनात्मक शोध की तुलनात्मक सर्वेक्षण पद्धति (Descriptive Comparative Survey Method) का उपयोग किया गया।

जनसंख्या (Population)

इस शोध की जनसंख्या फरीदाबाद के कक्षा 10 के सभी विद्यार्थी हैं।

6. नमूना एवं नमूनाकरण (SAMPLE AND SAMPLING)

डेटा संकलन के लिए सरल यादृच्छिक नमूनाकरण पद्धति (Simple Random Sampling Method) अपनाई गई। शोधकर्ता ने 5 सरकारी विद्यालयों तथा 5 निजी विद्यालयों से कुल 400 विद्यार्थियों का चयन किया, जिनमें:

1) **सरकारी विद्यालय :** 100 छात्र एवं 100 छात्राएँ
2) **निजी विद्यालय :** 100 छात्र एवं 100 छात्राएँ शामिल किए गए।

- निजी विद्यालय
- जॉन एफ. कैनेडी पब्लिक स्कूल, फरीदाबाद
- हिन्दू सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कुंदन कालोनी, फरीदाबाद
- डी.पी.एस. सीनियर सेकेंडटी स्कूल, सोतई (फरीदाबाद)
- कला मन्दिर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सादुपूरा गाँव सेक्टर-65 फरीदाबाद
- शिव पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-72 नीमका (फरीदाबाद)

सरकारी विद्यालय

- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेन्टर-8 (फरीदाबाद)
- राजकीय आदर्श कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय न०5, एन० आई.टी. फरीदाबाद
- राजकीय कन्या मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बल्लभगढ़ (फरीदाबाद)
- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, चन्दावली, फरीदाबाद
- शहीद नायक रघुवीर सिंह राजकीय उच्च विद्यालय, सोतई (1030) बल्लभगढ़ (फरीदाबाद)
- राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, फरीदाबाद

उपकरण (Tool)

डेटा संकलन के लिए अध्ययन आदत सूची (Study Habits Inventory) का उपयोग किया गया, जिसे डॉ. दीप्ति शर्मा एवं डॉ. मसूद अंसारी द्वारा विकसित किया गया है।

7. सांख्यिकीय तकनीकें (STATISTICAL TECHNIQUES)

संकलित आँकड़ों के विश्लेषण हेतु निम्नलिखित सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग किया गया—

1) माध्य (Mean)
2) मानक विचलन (Standard Deviation)
3) टी-परीक्षण (t-test)

इन तकनीकों के माध्यम से परिकल्पनाओं की जाँच की गई तथा निष्कर्ष प्राप्त किए गए।

8. परिणाम

परिकल्पना 1: कक्षा 10 के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छात्रों की अध्ययन आदतों में कोई महत्त्वपूर्ण अंतर नहीं है।

सारणी 1 सरकारी एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें

समूह	N	M	SD	df	t-मूल्य	सारणी t-मूल्य	परिणाम
सरकारी विद्यालय	100	97.26	14.27	198	0.67	1.97	अस्वीकृत
निजी विद्यालय	100	98.87	15.92				

सारणी 1 के अनुसार पाया गया कि गणना किया गया t-मूल्य 0.670, सारणी t-मूल्य 1.97 (df = 198, 0.05 स्तर पर) से कम है। इसलिए शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। अतः यह कहा जा सकता है कि कक्षा 10 स्तर पर सरकारी एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

परिकल्पना 2: कक्षा 10 के सरकारी विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं की अध्ययन आदतों में कोई महत्त्वपूर्ण अंतर नहीं है।

सारणी 2 सरकारी विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक विश्लेषण

समूह	N	M	SD	df	t-मूल्य	सारणी t-मूल्य	निष्कर्ष
छात्र	100	98.90	12.19	198	1.08	1.99	अस्वीकृत
छात्राएँ	100	95.23	14.46				

सारणी 2 से स्पष्ट है कि गणना किया गया t-मूल्य (1.08), सारणी t-मूल्य (1.99) से कम है (df = 198, 0.05 स्तर पर)। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। परिणामस्वरूप यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि कक्षा 10 के सरकारी विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं की अध्ययन आदतों में सांख्यिकीय दृष्टि से कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।

परिकल्पना 3: कक्षा 10 के निजी विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं की अध्ययन आदतों में कोई महत्त्वपूर्ण अंतर नहीं है।

सारणी 3 निजी विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक विश्लेषण

समूह	N	M	SD	df	t-मूल्य	सारणी t-मूल्य	निष्कर्ष
छात्र	100	94.87	11.76	198	2.27	1.99	स्वीकृत
छात्राएँ	100	102.43	18.27				

सारणी 3 से स्पष्ट है कि गणना किया गया t-मूल्य (2.27), सारणी t-मूल्य (1.99) से अधिक है (df = 198, 0.05 स्तर पर)। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। इस प्रकार यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि कक्षा 10 के निजी विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं की अध्ययन आदतों में सांख्यिकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण अंतर पाया गया।

परिकल्पना 4: "कक्षा 10 के स्तर पर सरकारी विद्यालयों के छात्रों एवं निजी विद्यालयों के छात्रों की अध्ययन आदतों में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।"

सारणी 4 सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छात्रों की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक विश्लेषण

समूह	N	M	SD	df	t-मूल्य	सारणी t-मूल्य	निष्कर्ष
सरकारी विद्यालय छात्र	100	98.90	12.19	198	1.51	1.99	अस्वीकृत
निजी विद्यालय छात्र	100	94.87	11.76				

सारणी 4 से स्पष्ट है कि गणना किया गया t-मूल्य (1.51), सारणी t-मूल्य (1.99) से कम है (df = 198, 0.05 स्तर पर)। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। इस आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि कक्षा 10 के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छात्रों की अध्ययन आदतों में सांख्यिकीय दृष्टि से कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

परिकल्पना 5: "कक्षा 10 के सरकारी विद्यालयों की छात्राओं एवं निजी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।"

सारणी 5 सरकारी एवं निजी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक विश्लेषण

समूह	N	M	SD	df	t-मूल्य	सारणी t-मूल्य	निष्कर्ष
सरकारी विद्यालय छात्राएँ	100	95.24	16.46	198	1.82	1.99	अस्वीकृत
निजी विद्यालय छात्राएँ	100	102.43	18.27				

सारणी 5 से स्पष्ट है कि गणना किया गया t-मूल्य (1.82), सारणी t-मूल्य (1.99) से कम है (df = 198, 0.05 स्तर पर)। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। इस आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि कक्षा 10 के सरकारी एवं निजी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों में सांख्यिकीय दृष्टि से कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

9. निष्कर्ष (CONCLUSION)

उपरोक्त विश्लेषण से निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त होते हैं:

1) कक्षा 10 के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।
2) सरकारी विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं की अध्ययन आदतों में भी कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।
3) जबकि निजी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों का प्रदर्शन निजी विद्यालयों के छात्रों की तुलना में अधिक पाया गया।
4) इसी प्रकार, सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छात्रों तथा सरकारी एवं निजी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों में कोई महत्वपूर्ण अंतर परिलक्षित नहीं हुआ।

अतः यह स्पष्ट है कि अध्ययन आदतें अनेक कारकों से प्रभावित होती हैं। इनमें प्रमुख हैं:

- विद्यार्थियों की स्वाध्ययन क्षमता,
- एकांत में अध्ययन करने की प्रवृत्ति,
- समूह में अध्ययन की आदत,
- प्रयुक्त अध्ययन विधियाँ एवं रणनीतियाँ,
- विषयवस्तु का स्वरूप,
- एवं विद्यार्थियों की मानसिक अवस्था।

ये सभी कारक विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों को सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों प्रकार से प्रभावित करते हैं।

10. अध्ययन के शैक्षिक निहितार्थ (EDUCATIONAL IMPLICATIONS OF THE STUDY)

इस अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष शैक्षणिक संस्थानों एवं नीतिनिर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ प्रस्तुत करते हैं।

सबसे पहले, सरकारी एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों में कोई महत्वपूर्ण अंतर न पाया जाना यह इंगित करता है कि विद्यालय का प्रकार स्वाभाविक रूप से विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों को निर्धारित नहीं करता। अतः यह आवश्यक है कि सभी प्रकार के विद्यालयों में विद्यार्थियों की अध्ययन कौशल (Study Skills) विकसित करने हेतु प्रभावी कार्यक्रम संचालित किए जाएँ, जिससे शैक्षणिक उपलब्धि में वृद्धि हो सके।

दूसरे, यह तथ्य कि निजी विद्यालयों की छात्राएँ अध्ययन आदतों में छात्रों की तुलना में अधिक सफल पाई गईं, शिक्षा में लिंग-विशिष्ट हस्तक्षेप (Gender-Specific Interventions) की आवश्यकता को स्पष्ट करता है। यह इंगित करता है कि विद्यालयों को विशेष रूप से पुरुष विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों में सुधार हेतु योजनाएँ एवं रणनीतियाँ तैयार करनी चाहिए, ताकि वे अपनी महिला सहपाठिनियों के बराबर प्रदर्शन कर सकें।

इसके अतिरिक्त, अध्ययन ने यह भी प्रतिपादित किया कि विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें अनेक कारकों जैसे—स्वाध्ययन क्षमता, समूह में अध्ययन, अध्ययन की रणनीतियाँ, विषयवस्तु की प्रकृति तथा मानसिक स्थिति—से प्रभावित होती हैं। यह तथ्य शिक्षा के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण (Holistic Approach) अपनाने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

विद्यालयों को चाहिए कि:

- विद्यार्थियों को प्रभावी अध्ययन रणनीतियाँ विकसित करने में मार्गदर्शन दें,
- स्वाध्ययन एवं आत्मनिर्भर अध्ययन की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करें,
- एवं सीखने के अनुकूल वातावरण का निर्माण करें।

यदि इन बहुआयामी कारकों पर ध्यान दिया जाए तो विद्यार्थी, चाहे वे किसी भी प्रकार के विद्यालय में अध्ययनरत हों अथवा किसी भी लिंग से संबंधित हों, शैक्षणिक सफलता प्राप्त करने में अधिक सक्षम हो सकेंगे।

संदर्भ सूची

अब्राहम्स, आई., एवं सिंह, टी. (2014). अध्ययन आदतों, प्रेरणा और शैक्षिक प्रदर्शन के बीच संबंध: नामीबिया के शिक्षा महाविद्यालय के छात्रों पर एक अध्ययन। यूनिवर्सल जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 2(1), 37–41।

आहर, एस. के., एवं बानसोड़, एस. डी. (2015). किशोरों में अध्ययन आदतों और शैक्षणिक प्रदर्शन पर एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 2(4), 78–85।

त्राजकोव्स्की, वी. (2015). अध्ययन आदतें और दृष्टिकोण: शैक्षणिक सफलता की ओर मार्ग। जर्नल ऑफ कॉग्निटिव एंड बिहेवियरल साइकोथेरैपीज़, 15(2A), 205–218।

अग्रवाल, आर., एवं शर्मा, एस. (2016). माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की अध्ययन आदतें और शैक्षणिक प्रदर्शन। जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड स्टडीज, 4(1), 1–10।

ग्रुनशेल, सी., श्विंगर, एम., एवं स्टाइनमेयर, आर. (2016). छात्रों की शैक्षणिक प्रेरणा, अध्ययन रणनीतियाँ और उपलब्धि का दीर्घकालिक अंतःक्रिया। जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 108(6), 867–882।

देसालेग्न, टी. डब्ल्यू., एवं बेरीहुन, ए. (2017). अध्ययन आदतों का छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव: जिमा नगर, इथियोपिया के कुछ माध्यमिक विद्यालयों का एक अध्ययन। जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड प्रैक्टिस, 8(3), 1–10।

रेड्डी, वी. आर. (2017). माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर अध्ययन आदतों का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस इन्वेंशन, 6(9), 57–62।

अडेयेमी, टी. ओ., एवं अडेयेमो, डी. ए. (2018). नाइजीरियाई विश्वविद्यालयों के स्नातक छात्रों में अध्ययन आदतें और शैक्षणिक प्रदर्शन का सहसंबंध। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अडोलसेंस एंड यूथ, 23(1), 27–38।

फेरेरा, एल., सोअरेस, ए., सोअरेस, सी., एवं अमारल, ए. (2019). निम्न माध्यमिक से उच्च माध्यमिक शिक्षा में संक्रमण: छात्रों का समायोजन और अध्ययन आदतों की भूमिका। यूरोपियन जर्नल ऑफ एजुकेशन, 54(1), 75–89।

घिमिरे, बी., एवं अधिकारी, एस. (2020). माध्यमिक स्तर के छात्रों की अध्ययन आदतें और शैक्षणिक प्रदर्शन। जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च, 10(2), 1–18।

पिंट्रिच, पी. आर. (2000). स्व-नियंत्रित अधिगम में लक्ष्य अभिविन्यास की भूमिका। एम. बोकर्ट्स, पी. आर. पिंट्रिच, एवं एम. ज़ेड्नर (संपा.), हैंडबुक ऑफ सेल्फ-रेगुलेशन (पृ. 451–502)। एकेडमिक प्रेस।

जॉनसन, ए., एवं स्मिथ, जे. (2021). माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की अध्ययन आदतें और शैक्षणिक उपलब्धि: एक तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 45(2), 123–145।

गुप्ता, आर., शर्मा, एस., एवं वर्मा, ए. (2021). ग्रामीण और शहरी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की अध्ययन आदतों और शैक्षणिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 35(4), 789–804।

पटेल, एम., पटेल, के., एवं शाह, एस. (2021). अध्ययन वातावरण का अध्ययन आदतों और शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव: वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों पर एक अध्ययन। जर्नल ऑफ अप्लाइड रिसर्च इन हायर एजुकेशन, 13(2), 236–251।

चेन, एल., झांग, क्यू., एवं वांग, एल. (2022). माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की अध्ययन आदतों के निर्माण में अभिभावक सहभागिता की भूमिका: एक अनुवर्ती अध्ययन। जर्नल ऑफ यूथ एंड अडोलसेंस, 51(3), 567–580।

ली, एस., किम, वाई., एवं पार्क, एच. (2022). माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की अध्ययन आदतों पर डिजिटल अध्ययन उपकरणों का प्रभाव। जर्नल ऑफ कम्प्यूटर्स एंड एजुकेशन, 156, 104856।